



0117CH08

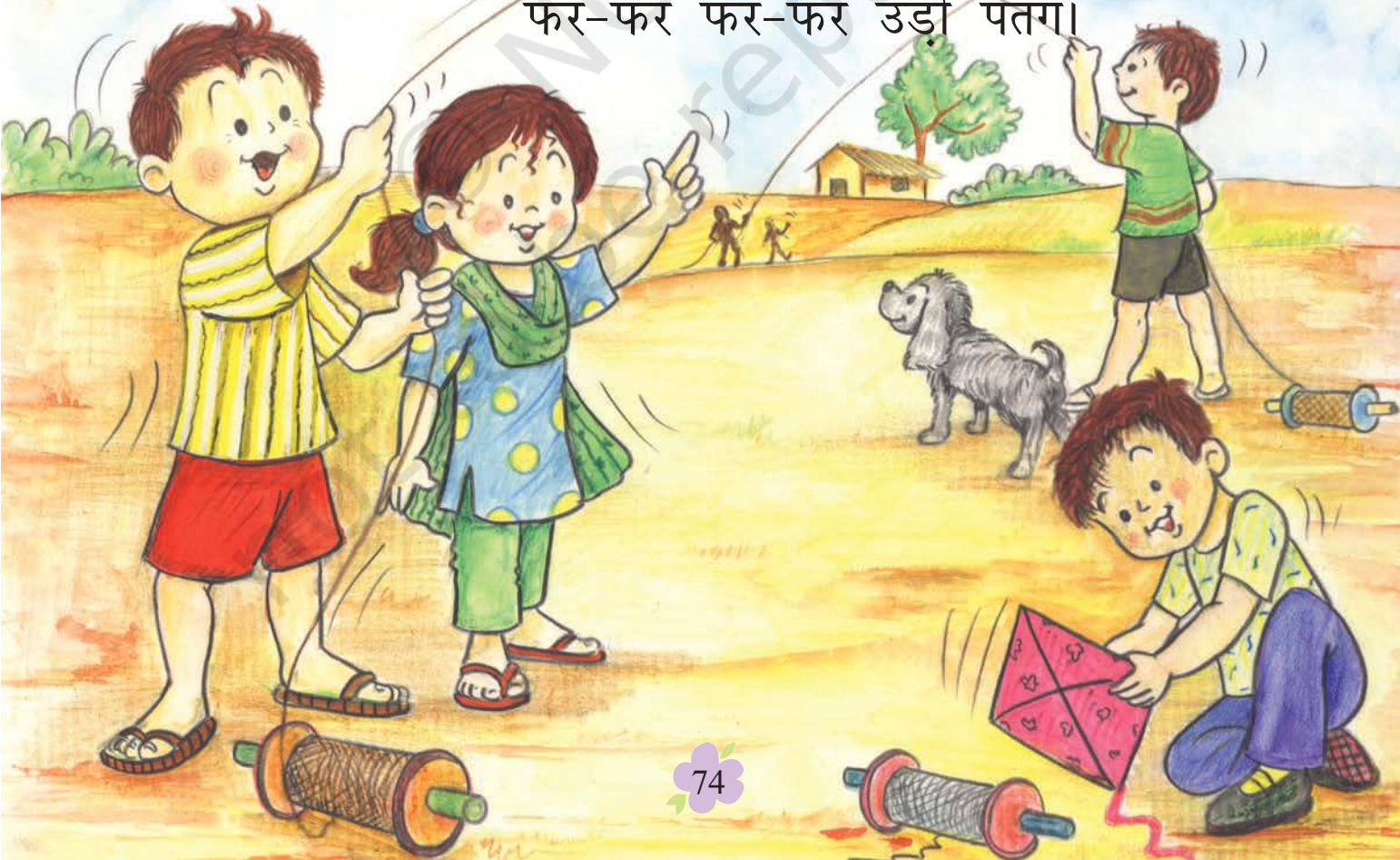
## 8. पतंग

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,  
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।

इसको काटा, उसको काटा,  
खूब लगाया सैर सपाटा।

अब लड़ने में जुटी पतंग,  
अरे कट गई, लुटी पतंग।

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग,  
फर-फर फर-फर उड़ी पतंग।





पतंग का चित्र बनाओ।

अब कविता बनाएँ

सर-सर सर-सर उड़ी पतंग

घंटी बोली .....

उड़ता कपड़ा .....

..... खन-खन-खन



## सोचो और लिखो

तुम पतंग के साथ सैर-सपाटे पर गईं। वहाँ तुमने क्या-क्या देखा?

.....

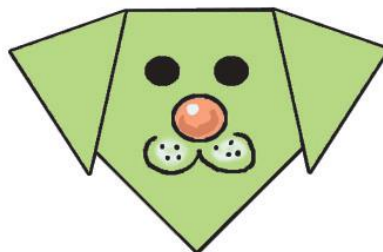
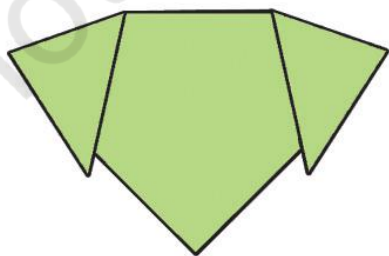
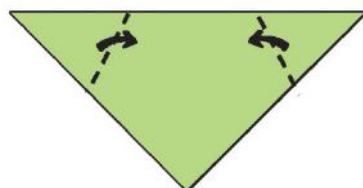
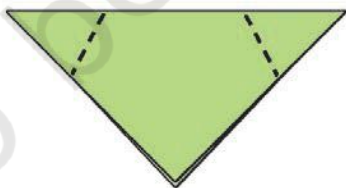
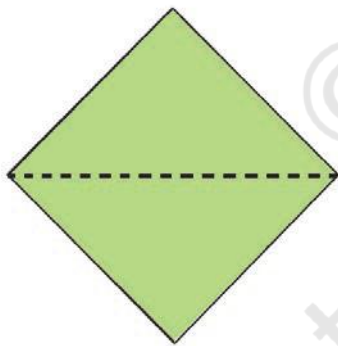
.....

पतंग कटकर कहाँ-कहाँ गिर सकती है?

.....

.....

## कागज़ से कुत्ता बनाओ।







## कहती है अब खेल का समय

२४  
हुँरे! जीत गई

२३  
जल्दी-जल्दी चार बार  
बोलो- कच्चा पापड़  
पक्का पापड़। आगे  
बढ़ो।



२१  
पाँच बार चुटकी  
बजाओ और चुस्की  
का मज़ा लो।



१४



१६

१७  
आ से शुरू होने  
वाली चार चीज़ों  
के नाम बताओ।  
झूला झूलो।

१८

१२  
बीस की गिनती पूरी  
होने से पहले बाहर  
से एक पत्थर लेकर  
आओ। आम खाओ

११

१०



८

७  
म से शुरू होने  
वाला कोई गाना  
सुनाओ। पगड़ी  
पहनो।

१  
शुरू करो।

२  
मछली पर कविता  
सुनाओ नाव में  
जाओ।

३

४

५  
क से शुरू होने  
वाले पाँच बच्चों के  
नाम बताओ। पतंग  
उड़ाओ।

६

बच्चे सुझाया गया काम करेंगे। सही करने पर आगे बढ़ेंगे। गलत करने पर एक बारी छोड़ेंगे।